रीडिंग कॉर्नर के लिए चयनित पुस्तकों की संक्षिप्त टिप्पणी

शब्दरहित चित्र पुस्तकें

(1) घर और घर

लेखक : मिकी पटेल

चित्रांकन : मिकी पटेल

प्रकाशक : एन.बी.टी

मूल्य : 9/-

एक छोटी सी चित्र कथा जो बच्चों को अलग-अलग तरह के घरों को देखने को प्रेरित करती है। साथ ही बच्चों को अपने आस-पास दिखाई देने वाले अनेक छोटे बड़े जीवों से जोड़ने का प्रयास भी करती है। बच्चे सहज रूप से इस पुस्तक के प्रति आकर्षित होंगे क्योंकि अपने घर की तरह ही दूसरे जीवों के घरों की कल्पना उन्हें रोमांच से भर देगी। इस पुस्तक में बच्चों को अपनी बात कहने देने की गुंजाइश है।

(2) बारात

लेखक : मिकी पटेल

चित्रांकन : मिकी पटेल

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 9/-

अनूठी चित्र शैली से सजी यह पुस्तक बारात और उसके उत्सव के आनंद को बहुत सजीवता से अभिव्यक्त करती है। इस पुस्तक में बारात के हर एक पल को चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया गया है। बारात का आनंद इस पुस्तक के साथ बच्चे मज़े से ले सकेंगे।

(3) आम की कहानी

लेखक : देबाशीष देव

चित्रांकन : देबाशीष देव

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

बच्चों को कहानी सुनना बहुत आकर्षित करता है। वे न सिर्फ कहानी सुनते हैं बल्कि कहानी गढ़ने का भी प्रयास करते हैं। इस पुस्तक में एक पूरी चित्रों की श्रृंखला दी गई है। बच्चे अपनी कल्पना के अनुसार चित्रों को देख कहानी बना सकते हैं। यह पुस्तक उनकी कल्पना को एक नई उड़ान देगी।

(4) बाज़ार की सैर

लेखक : मंजुला पद्मनाभन

चित्रांकन : मंजुला पद्मनाभन

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

शब्दरहित चित्रपुस्तकों का अपना अलग ही महत्त्व है यह बच्चों को कल्पनालोक के अनंत आकाश में ले जाती है। यह पुस्तक बच्चों को बाज़ार से जुड़े अपने अनुभव बढ़ाने व बाज़ार पर बातचीत करने का माध्यम बन सकती है।

(5) चिड़ियाघर की सैर

लेखक : सनत सुरती

चित्रांकन : सनत सुरती

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 10/-

बच्चों को चिड़ियाघर व उसमें रहने वाले पशु-पक्षी पसंद होते हैं। यह पुस्तक बच्चों के उन्हीं अनुभवों को बताती है। इस पुस्तक के चित्रों के आधार पर बच्चों से बहुत सी रोचक बातें की जा सकती हैं।

(6) रंगबिरंगी दुनिया

लेखक : युद्धजीत सेनगुप्ता

चित्रांकन : युद्धजीत सेनगुप्ता

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 9/-

दुनिया में बहुत सारे रंग हैं। हर वस्तु का कोई न कोई रंग होता है। यह पुस्तक इसी रंगबिरंगी दुनिया को दर्शाती है साथ ही अपने आस-पास की दुनिया का अवलोकन करने के लिए प्रेरित करते है। यह पुस्तक बच्चों के सौन्दर्यबोध रचनात्मक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने में सहायक होगी।

(7) कौवे की कहानी

लेखक : युद्धजीत सेनगुप्ता

चित्रांकन : युद्धजीत सेनगुप्ता

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

इस पुस्तक में सिर्फ चित्रों के माध्यम से एक कौवे की पूरी कहानी कही गई है। इसके द्वारा बच्चों से बहुत सी बातें की जा सकतीं हैं। और साथ ही इसके आधार पर बच्चे अपनी रचना भी गढ़ सकते हैं।

(8) रेलगाड़ी चले छुक-छुक

लेखक : मृणाल मित्रा

चित्रांकन : मृणाल मित्रा

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 8/-

इस पुस्तक में रेलगाड़ी की सचित्र मनोहारी यात्रा का वर्णन है। बच्चे जिन्होंने रेलगाड़ी देखी है व जिन्होंने नहीं भी देखा इस पुस्तक को देखकर आनंदित होंगे। रेलगाड़ी के साथ अपने अनुभवों को जोड़ सकेंगे।

(9) मैं क्या कर सकती हूँ

लेखक : कान्ता सेठ

चित्रांकन : पूनम साही

प्रकाशक : एन.सी.ई.आर.टी.

मूल्य : -----

एक बच्ची की छोटी-छोटी बातें, उसकी स्वाभाविक क्रियाएँ बहुत सुन्दर स्पष्ट चित्रों में है बच्चे अपने को इस पुस्तक के चित्रों से अपने को जोड़ पाएँगे, उनका बचपना इसमें झलकता है।

(10) मेरा एक दिन

लेखक : कान्ता सेठ

चित्रांकन : अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रकाशक : एन.सी.ई.आर.टी.

मूल्य : -----

एक दिन में बच्चे क्या-क्या करते हैं, उनकी दिनचर्या क्या रहती है, इस बात को रंगबिरंगे, कोलाज शैली पेपर कटाउट के सजीव चित्रों के द्वारा इस पुस्तक में दर्शाया गया है। बच्चों से इस पर एक लंबा संवाद हो सकता है।

चित्रात्मक कथा पुस्तकें

(11) मुनिया ने पाया सोना

लेखक : जगदीश जोशी

चित्रांकन : जगदीश जोशी

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 17/-

बहुत से रंगों और चित्रों से सजी हुई एक छोटे से पंछी मुनिया की कहानी। नन्हीं चिड़िया मुनिया द्वारा एक चेरी का पेड़ उगाने की यह कहानी बच्चों को मनमोहक लगेगी।

(12) सुनु-सुनु घोंघा

लेखक : संध्या रॉव

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : तूलिका

मूल्य : 70/-

इस पुस्तक में एक घोंघे की कहानी है जिसका नाम है सुनु-सुनु। जो बड़े ही रोचक शब्दों व आकर्षक चित्रों के माध्यम से कही गई है। बच्चों को घोंघे की कहानी पढ़कर मज़ा आएगा।

(13) कितनी प्यारी है यह दुनिया

लेखक : जयंती मनोकरन

चित्रांकन : जयंती मनोकरन

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

इस पुस्तक में मनभावन चित्रों व छोटे-छोटे वाक्यों के द्वारा बच्चों की पसंद व उनकी दुनिया दर्शायी गई है। जलरंगों द्वारा बने इस पुस्तक के चित्र बड़े ही मनभावन हैं। बच्चों को अपने मन की बात कहने के लिए एक दोस्त बन सकेगी यह पुस्तक।

(14) बिल्ली के बच्चे

लेखक : वी. सुतेयेव

चित्रांकन : वी. सुतेयेव

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

बिल्ली के तीन बच्चों की यह छोटी कहानी श्याम-श्वेत आकर्षक चित्रों और कम शब्दों में है। इस पुस्तक पर बच्चों से बातचीत की जा सकती है। उनके अनुभव लिए जा सकते हैं।

(15) नन्हें चूज़े की दोस्त

लेखक : रावेन्द्र कुमार

चित्रांकन : विप्लव शशि

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 16/-

बच्चों को जानवरों की कहानियाँ पसंद आती हैं। इस पुस्तक में बिल्ली और एक चूज़े की दोस्ती की कहानी है। यह दोस्ती कैसे हुई, और कहानी कैसे आगे बढ़ी? कहानी की घटनाएँ रोचक हैं और श्वेत श्याम चित्र कटआउट शैली में बने बहुत मज़ेदार है।

(16) तुमने मेरा अण्डा तो नहीं देखा?

लेखक : विप्लव शशि

चित्रांकन : विप्लव शशि

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 25/-

कहानी के चित्रों में केवल लाल और काले रंगों का प्रयोग है लेकिन फिर भी चित्र दिलचस्प हैं। शब्दों और वाक्यों में नयापन है। कहानी का शीर्षक और कथा का नयापन बच्चों के लिए आकर्षक होगा।

(17) अनोखी प्रदर्शनी

लेखक : वर्षा सहस्त्रबुद्धे

चित्रांकन : माधुरी पुरन्दरे

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

यह पुस्तक बच्चों में कल्पना के नये प्रयोग करने में सहायक होगी। यह पुस्तक बातचीत व खेलक्रियाओं का अवसर देती है। इस पुस्तक के श्याम श्वेत रेखा चित्र बड़े ही भावपूर्ण व मज़ेदार हैं।

(18) गुब्बारे

लेखक : वर्षा सहस्त्रबुद्धे

चित्रांकन : माधुरी पुरन्दरे

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

बच्चों को यदि अलग-अलग चीज़ों से खेलने की पूरी आज़ादी दी जाये तो वे उससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। और अपने आप को अभिव्यक्त कर सकते हैं। इस पुस्तक में बच्चों को गुब्बारे के मनोरंजक खेल के साथ ही छोटी-छोटी घटनाओं और वस्तुओं के बारे में अपनी बात कहते हैं। इसके श्याम-श्वेत, मोंम पेंसिल से बने चित्र बड़े ही मनोरंजक हैं।

(19) लुढ़कता पहिया

लेखक : आशा नेहेमिया

चित्रांकन : सुबीर राय

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 18/-

यह एक हास्यात्मक कथा है। बच्चों को इसे पढ़कर मज़ा आएगा। चित्रों में गहरे रंगों का प्रयोग है व हास्यात्मकता का पुट भी है जो निश्चय ही बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाएगा। कथा में कुछ नयापन है। बच्चे इसे बार-बार पढ़ना चाहेंगे।

(20) नाव चली

लेखक : वी. सुतेयेव

चित्रांकन : वी. सुतेयेव

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 15/-

चूज़े, चूहे, चींटी के द्वारा मिलकर नाव बनाई जाने की यह कथा रंग बिरंगे चित्रों से भरपूर है। चित्र पात्रों के भावों को व्यक्त करते हैं। पुस्तक में संभावनाएँ हैं, बच्चों से बातचीत की जा सकती है।

(21) बुढ़िया की रोटी

लेखक : शंकर

चित्रांकन : सुबीर राय

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 20/-

कहानी में आदि से अंत तक एक क्रम जारी है। कथा के अंत को जानने की जिज्ञासा बनी रहती है। घटनाक्रम पुनरावृत्ति के साथ कहानी आगे बढ़ती है और अचानक एक ऐसा मोड़ आता है कि कहानी सरपट आगे दौड़ पड़ती है।

(22) राजा की मूँछें

लेखक : आशा नेहेमिया

चित्रांकन : बी.जी. वर्मा

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 18/-

'मूँछीपुर के राजा और उनकी ऐंठदार मूँछें'। रंगबिरंगे हास्यात्मक चित्रों से बनी यह हल्की-फुल्की कथा बच्चों को मनोरंजक लगेगी। कहानी रोचक है और इसमें नये मज़ेदार शब्दों का प्रयोग भी है।

(23) मैं भी ...

लेखक : वी. सुतेयेव

चित्रांकन : वी. सुतेयेव

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 10/-

बच्चों को अनुकरण करना बहुत अच्छा लगता है और नन्हें चूज़े को भी बहुत अच्छा लगता है नकल करना। इसके चित्र बड़े ही सजीव जान पड़ते हैं। इसमें कोमल रंगों का आवश्यकतानुसार प्रयोग किया गया है।

(24) कौन बड़ा

लेखक : मृणालिनी श्रीवास्तव

चित्रांकन : सुबीर राय

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 18/-

इस पुस्तक में बड़े-बड़े आकर्षक चित्रों व कम शब्दों में मच्छर और शेर की कहानी है। इस कहानी के ज़रिए बच्चों को यह बताने का प्रयास किया गया है कि कैसे बच्चे ने जंगल के राजा शेर को पछाड़ा। एक नन्हें मुन्ने मच्छर की यही कहानी कहती है ये पुस्तक।

(25) तीन साथी

लेखक : घनश्याम तिवारी

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 2/-

साधारण रेखाचित्रों के माध्यम से तीन साथियों की कहानी कही गयी है कि वह किस तरह मुसीबत में एक दूसरे का साथ देते हैं और अच्छे दोस्त बनते हैं। आकार में छोटी बहुत कम मूल्य व थोड़े शब्दों में छोटी सी कहानी है। इसके रेखाचित्र भी तो बच्चों ने ही बनाएँ हैं।

(26) भालू ने खेली फुटबॉल

लेखक : हरदर्शन सहगल

चित्रांकन : रंजित बालमुचु

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

ऐसा भी होता है कि भालू जी ने शेर के बच्चे को फुटबाल समझकर खेला और दोनों को ही मज़ा आया। इस पुस्तक में शेर के बच्चे और भालू की मज़ेदार कहानी है। इसके श्याम-श्वेत चित्र तो अनूठे हैं ही पात्रों के चेहरों के भाव तो और भी मज़ेदार हैं।

(27) दो तोते

लेखक : सी.एन. सुब्रह्मण्यम

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 2/-

बच्चों को पक्षियों व जानवरों की कहानियाँ पसंद आती हैं। इस पुस्तक में दो तोते व बंदर की कहानी है जो कम शब्दों व रेखा चित्रों के माध्यम से कही गई है। बच्चे मिट्ठू और बंदर मामा की कहानी का आनंद उठाएँगे।

(28) प्यासी मैना

लेखक : प्रतिभा नाथ

चित्रांकन : सुबीर राय

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 20/-

एक थी मैना, मैना को ज़ोरों की प्यास लगी, नल तो सूखा पड़ा था, अब क्या करे मैना? पक्षियों की पानी की खोज की यह कथा बच्चों से बातचीत करने का अवसर देती है। चित्रांकन बहुत ही सजीव है और पक्षियों की आपसी बातचीत बच्चों को आकर्षित करेगी। यह पुरस्कृत कहानी है।

(29) सबसे छोटा खरगोश

लेखक : रॉबर्ट क्राउस

चित्रांकन : ज्योती हिरेमठ

प्रकाशक : बी.जी.वी.एस.

मूल्य : 20/-

सभी बच्चे जल्दी-जल्दी बड़ा होना चाहते हैं। छोटे बच्चों के इसी मनोभाव को चित्रों और शब्दों के साथ बताती इस कहानी से बच्चे अपने आप को जोड़ सकेंगे। साथ ही यह पुस्तक द्विभाषी है। इस कहानी को पढ़कर सुनाया जाये तो और भी मज़ा आयेगा।

(30) लौट के चूहा घर को आया

लेखक : गिरिजा रानी

चित्रांकन : सुरेन्द्र सुमन

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 18/-

चूहे और गिलहरी की मित्रता की यह कहानी बड़े-बड़े चित्रों और सरल भाषा में है। साथ ही कहानी में हाथी की मस्ती और चूहे की हाथी की तरह, बड़े और मोटे बनने की तमन्ना बच्चों के मन भाएगी। चित्रों में गहरे रंगों का प्रयोग पुस्तक को आकर्षक बनाता है।

(31) महागिरि

लेखक : हेमलता

चित्रांकन : पुलक विश्वास

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 18/-

इस पुस्तक में महागिरि नामक हाथी की कथा है जो एक बिल्ली को बचाने के लिए अपने महावत का भी आदेश नहीं मानता। इसमें हल्के गाढ़ें रंगों का प्रयोग किया गया है। इसके चित्र दक्षिण भारत की झलक देते हैं। यह पुस्तक बच्चों से बातचीत करने में सहायक बनेगी।

(32) मंगू का लट्टू

लेखक : कामाक्षी बाल सुब्रह्मण्यन्

चित्रांकन : अमिताभ सेनगुप्ता

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 12/-

खिलौने सभी बच्चों को अच्छे लगते हैं। इस पुस्तक में एक बच्चे ने किस तरह एक लट्टू बनाकर उसमें रंगभरकर अपने लिए स्वयं खिलौना तैयार किया इसकी कथा को बड़े रंगीन चित्रों व छोटे-छोटे वाक्यों में बताया गया है।

(33) गवैया गधा

लेखक : शंकर

चित्रांकन : जगदीश जोशी

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 20/-

इस पुस्तक में चालाक सियार और गवैये गधे की कहानी है जो बिना सोचे समझे गाना शुरू कर देता है जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ता है। जल रंग के द्वारा बने इस पुस्तक के चित्र बड़े ही मज़ेदार हैं।

(34) टिलटिल का साहस

लेखक : स्वप्ना दत्ता

चित्रांकन : विकी आर्य

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

इस पुस्तक में कछुए के नन्हें बच्चे के माध्यम से उसके जीवन की साहसपूर्ण व रोचक कहानी कही गई है इस पुस्तक के चित्र सैंड पेपर पर बनाए गए होने की वजह से खुरदरे रेतीलेपन का आभास देते हैं जो अपने आप में एक नया प्रयोग है। यह पुस्तक बच्चों को टिलटिल के साथ समुद्री तट की सैर कराती है।

(35) पत्ते ही पत्ते

लेखक : वर्षा सहत्रबुद्धे

चित्रांकन : माधुरी पुरन्दरे

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

बच्चों के मन की बात कहती है यह पुस्तक। जब बच्चों का बाहरी दुनिया से संपर्क होता है तो वे घटनाओं वस्तुओं, लोगों के बारे में क्या सोचते हैं। बच्चों के इन्हीं अपने अनुभवों को रेखाचित्रों और विभिन्न आकार के पत्तों के माध्यम समेटती है यह पुस्तक।

(36) टिपिक पाँ भर

लेखक : वर्षा सहस्त्रबुद्धे

चित्रांकन : माधुरी पुरन्दरे

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 14/-

बच्चों की सोच, उनकी भावनाओं और उनका क्या दृष्टिकोण है इस बात का अहसास दिलाती है यह पुस्तक बच्चों का विकास जानने और उनके साथ बातचीत करने का अवसर भी देती है। इसके रेखाचित्र बोलते से लगते हैं।

(37) हाथी और भंवरे की दोस्ती

लेखक : टी.आर. राजेश

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 16/-

एक भंवरा कमल के फूल में बंद हो गया, बस इसी घटना के इर्द-गिर्द बुनी गई है यह प्यारी सी कहानी। इसके चटख रंगों से सजे रंगबिरंगे चित्र छोटे बच्चों को खासतौर पर पसंद आयेंगे।

(38) नटखट गधा

लेखक : विष्णुकांत पाण्डेय

चित्रांकन : रंजित बालमुचु

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 16/-

'नटखटिया हरकतों वाला नटखट गधा' कैसे बनता है सबको हंसाने वाला गधा। इस पुस्तक के चित्र श्याम श्वेत हैं, व कार्टून शैली की चित्रकारी भी अनूठी है। गधे की शरारतों को पढ़कर बच्चों को मज़ा आएगा।

(39) यह क्या हुआ

लेखक : जगदीश जोशी

चित्रांकन : जगदीश जोशी

प्रकाशक : एन.सी.ई.आर.टी.

मूल्य : 7.50/-

लाल पीला नीला ये रंग जब मिलते तो बहुत से नए-नए रंग खिलते। और जब एक बार इनमें हुई लड़ाई तो सारे रंग उलट पुलट हो गए, ये क्या हुआ! अपने आस पास फैले रंगों के बारे में जिज्ञासा उत्पन्न करती है ये पुस्तक।

(40) चंदामामा

लेखक : आकीको हयाशी

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 8/-

इस पुस्तक का विशेष आकर्षण है इसके चित्र इसकी खासियत है इनकी चित्रांकन शैली। इस पुस्तक के चित्रों पर बच्चों से बातचीत करने की व उनकी रचनात्मक भाषाई गतिविधियों को बढ़ावा देने की बहुत सी संभावनाएँ छिपी हैं।

(41) रूपा हाथी

लेखक : मिकी पटेल

चित्रांकन : मिकी पटेल

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 14/-

चिड़ियाघर का एक हाथी जंगली जानवरों से उनका अलग-अलग रंग लेकर रंगबिरंगा हो जाता है और कैसे फिर से अपने पहले के रंग में लौट आता है। इसके चित्र बड़े आकार व कोमल रंगों के हैं।

(42) पाजी बादल

लेखक : गुलज़ार एवं जगदीश जोशी

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : 40/-

एक नटखट बादल बच्चा जो घूमना चाहता है। हल्की फुलकी सरल भाषा में ये कहानी बच्चों को मनोरंजक लगेगी। इसका चित्रांकन स्पष्ट और मज़ेदार है।

(43) छोटा सा मोटा सा लोटा

लेखक : सुबीर शुक्ला

चित्रांकन : मीनू सरीन

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 15/-

अनोखे चित्रों और लयात्मक और तुक मिलाने वाले शब्दों से बनी यह कहानी बच्चों को मज़ेदार फंतासी की दुनिया में ले जाती है। मज़ेदार और भरपूर चित्रों से सजी है यह पुस्तक।

(44) गिली गिली गोला

लेखक : चारू आनंद

चित्रांकन : शुद्धसत्व बासू

प्रकाशक : कथा

मूल्य : 50/-

'खो गयी राजा की मूँछें और जा बनी गोलगप्पे की पूँछ'। बच्चों को ऐसी ही कथा पसंद आती है। जिसका कोई आदि अंत न हो, घटनाएँ अचानक हों, अजीब हों। यह पुस्तक बच्चों की कल्पनाशीलता को बढ़ावा देती है। हास्य और तुकबंदी से भरपूर यह किताब एक खिलौना है जिससे बच्चे बार-बार खेलना चाहेंगे, पढ़ेंगे, मज़े लेंगे। इसकी घटनाएँ अजीब हैं जिनका आदि है न अंत। बस मज़ा ही मज़ा।

(45) मीता और उसके जादुई जूते

लेखक : बी.जी. गुजरप्पा

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 8/-

मीता और उसके पंखों वाले जादूई जूतों की यह कहानी कल्पना के इंद्रधनुषी रंगों से सजी है। चित्रों की सजीवता और कहानी दोनों मिलकर एक ऐसा संसार रचते हैं जो बच्चों का अपना है। पुस्तक रोचक चित्रों से भरपूर है।

(46) एक दिन

लेखक : जगदीश जोशी

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 16/-

एक लड़के माना और हाथी अप्पू के कारनामों की यह कहानी रंगबिरंगे सुन्दर चित्रों के साथ बहुत ही मज़ेदार ढंग से कही गई है। सजीव से लगते इन चित्रों में हाथी और माना की दोस्ती को पढ़कर बच्चे खुश होंगे।

(47) लालू और पीलू

लेखक : बिनीता कृष्णा

चित्रांकन : रेवती भूषण

प्रकाशक : रत्न सागर

मूल्य : 33.90/-

बच्चों को चूज़े अच्छे लगते हैं। इस कहानी में मुर्गी के दो बच्चों लालू और पीलू की कथा है रंग-बिरंगे चित्रों और सरल शब्दों से बनी यह पुस्तक बच्चों को अच्छी लगेगी तथा उन्हें मज़ा आएगा।

(48) 14 चूहे घर बनाने चले

लेखक : काझुओ इवा मूरा

चित्रांकन : पंचमलाला

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 11/-

इस पुस्तक में बहुत सारे चित्र हैं जिनमें दिलचस्प बारीकियाँ भी है और ढूँढने, करने, खेलने के अवसर भी। बहुत कम शब्दों में इसमें चूहों के घर बनाने का क्रम जारी है। इसमें बच्चों से संवाद की बहुत संभावना है।

(49) गुन गुन करती मधुमक्खी

लेखक : वेंडी चेयेट लेविसन

चित्रांकन : हैन्स विलहेम

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : 35/-

यह पुस्तक कुछ परिचित जीवों की पहचान एवं उनकी आवाजों पर आधारित है। बच्चे अपने परिवेश में पाए जाने वाले जीवों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं वह उनकी हर एक गतिविधियों को समझने का प्रयास करते हैं। यह पुस्तक बच्चों को उनके साथ आत्मीय संबंध बनाने में काफी उपयोगी साबित होगी।

(50) हाथी की हिचकी

लेखक : जेम्स प्रेलर

चित्रांकन : हैन्स विलहेम

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : 35/-

एक बार हाथी को आ गई हिचकी और रुक ही नहीं रही, कौन बतायेगा इसका उपाय! हाथी की यह मज़ेदार कहानी बच्चों की पसंदीदा कहानी होगी। बच्चों को उनकी चंचलता एवं चपलता बहुत भाती है।

(51) बोनू और सलीम

लेखक : बेट्सी फ्रैंको

चित्रांकन : स्टेसी शूएटा

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : 25/-

बच्चों को दोस्त बहुत प्यारे होते हैं वह हर काम एक साथ तथा एक जैसा करना चाहते हैं। बच्चों के इन्हीं मनोभावों को छोटे-छोटे वाक्यों के द्वारा इस पुस्तक में कहा गया है। इसके चित्र बड़े ही सजीव जान पड़ते हैं।

(52) मेंढ़क राजकुमार

लेखक : एडिथ एच. टार्कोव

चित्रांकन : जेम्स मार्शल

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : 40/-

पीढ़ी दर पीढ़ी परिकथाएँ आज भी जीवित हैं। इन्हीं परिकथाओं में से एक मेंढ़क राजकुमार की कहानी बच्चों को अच्छी लगती है। इस कहानी का पुनर्कथन बहुत ही सरल शब्दों में किया गया है। इसके चित्र मज़ेदार हैं।

(53) ओ हरियल पेड़

लेखक : तेजी ग्रोवर

चित्रांकन : रानू टाइटस

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 22/-

भित्ती चित्र शैली या मांडना शैली से बने चित्रों और कम शब्दों से बनी यह कहानी अवसर देती है बच्चों से संवाद स्थापित करने का। इस लोककथा में एक क्रम जारी है जो आदि से अंत तक बच्चों को बांधे रखता है। यह लोककथा मनोरंजक है।

(54) घर की खोज

लेखक : राजेश श्रीवास्तव

चित्रांकन : नयनाभिराम

प्रकाशक : एन.सी.ई.आर.टी.

मूल्य : 7/-

सभी को घर की आवश्यकता होती है। नन्हें रामू के घर को खोजते हुए तरह-तरह के घरों से परिचित करवाती है यह कहानी। घर – पशुपक्षियों के मछलियों के, कीटपतंगों के। यही बात रोचक शब्दों व कोलाज शैली के आकर्षक चित्रों द्वारा कही गई है।

(55) सतरंगी गेंद

लेखक : चंपा बंगा

चित्रांकन : कमलेश हीरानंदानी

प्रकाशक : एन.सी.ई.आर.टी.

मूल्य : 9/-

इस पुस्तक में दो भाइयों और एक सतरंगी गेंद की कहानी है। बच्चों को गेंद बहुत प्यारी होती है इन्द्रधनुष व उसके रंग भी प्यारे लगते हैं। इन्द्रधनुष के उन्हीं रंगों को बच्चों की गेंद में भी दिखाया गया है जलरंग द्वारा बने इस पुस्तक के चित्र बड़े ही मनमोहक हैं।

(56) पीतल का पतीला

लेखक : मीनाक्षी स्वामी

चित्रांकन : सुब्रतो विश्वास

प्रकाशक : रेमाधव पब्लिकेशन्स

मूल्य : 35/-

'कड़-कड़.... तड़-तड़.... खड़-खड़.....' इसी तरह के ध्वनिमूलक शब्दों से सजी यह कहानी पीतल के पतीले और जंगल के जानवरों की सपाट बयानी है। जानवरों और पतीले के संवादों पर बच्चों से बातचीत करने की बहुत संभावना है।

कविताओं की पुस्तकें

(57) दूध-जलेबी जग्गग्गा

संकलन : तेजी ग्रोवर

चित्रांकन : रानू टाइटस

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 18/-

यह पुस्तक तीन, चार पंक्तियों की कविताओं का संग्रह है। पक्षियों, फूलों, बच्चों के सजीव चित्रों के साथ इस संकलन को बच्चे खूब मज़े से पढ़ेंगे। इसकी भाषा बच्चों की स्वाभाविक अकृत्रिम भाषा है जो आसानी से बच्चों को याद हो जाएगी।

(58) क्यों जी बेटा रामसहाय

संकलन : तेजी ग्रोवर

चित्रांकन : रानू टाइटस

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 18/-

इस पुस्तक में बच्चों की दुनिया में रचे-बसे अनेक लघु गीतों का संग्रह है। गीतों के बोल लयबद्ध है अत: बच्चे आनन्दित होकर इसे गा सकते हैं। पक्षियों, फूलों, पत्तों, कीट-पतंगों, चाँद-सितारों के सजीव चित्रों के साथ इस संकलन को बच्चे खूब मज़े से पढ़ेंगे।

(59) मेरे शिशु गीत

लेखक : प्रीतवंती महरोत्रा

चित्रांकन : अमित कुमार

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 20/-

बच्चों को आकर्षित करने वाले विषयों पर आधारित चार-चार पंक्तियों की कविताएँ इस पुस्तक में संकलित हैं। आकर्षक विषय और ध्वन्यात्मक भाषा होने के चलते बच्चों को इन्हें बार-बार दोहराना अच्छा लगेगा।

(60) नाना-नानी

लेखक : घनश्याम तिवारी

चित्रांकन : धनंजय

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 12/-

यह एक लंबी मज़ेदार कविता पुस्तक है इस कविता में प्रयोग किए गए सरल शब्दों, भाषा के साथ चुहलबाज़ी और रूठने-मनाने के सहज भाव बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

(61) उल्टी सुल्टी मित्तो

लेखक : कमला भसीन

चित्रांकन : सिमरन गिल

प्रकाशक : काली फॉर व्यूमेन

मूल्य : ----

मित्तो क्या करती है और कैसे करती है, इसके बारे में इस पुस्तक में बताया गया है, यह किताब छोटी है और चित्र बाल सुलभ हैं।

(62) अक्कड़-बक्कड़

लेखक : मनोज साहू 'निडर'

चित्रांकन : प्रीती सलूजा

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 15/-

इस पुस्तक में अनेक ऐसे पारंपरिक बाल गीतों का संग्रह है जिन्हें हम पीढ़ी दर पीढ़ी गुनगुनाते चले आ रहे हैं। तुकांत शब्दों से भरपूर ये बाल गीत निश्चय ही बच्चों को बहुत आकर्षित करेंगे। इनमें से अधिकांश गीतों को बच्चों ने खेलते-कूदते अपने लिए स्वयं रचा है।

(63) नन्हें मुन्ने गीत

लेखक : निरंकार देव सेवक

चित्रांकन : जगदीश जोशी

प्रकाशक : सी.बी.टी.

मूल्य : 21/-

यह पुस्तक लघु गीतों के साथ ही साथ आकर्षक रंगीन चित्रों से भी सजी हुई है। इसकी कविताएँ छोटी और लयात्मक हैं। इसके मज़ेदार चित्रों ने कविताओं में और भी रंग भर दिया है।

(64) धम्मक-धम

लेखक : कमला भसीन

चित्रांकन : मिकी पटेल एवं गीता वडेरा

प्रकाशक : जागोरी पब्लिकेशन

मूल्य : -----

यह पुस्तक हास्यात्मक लेकिन मुल्यपरक कविताओं का संग्रह है और ये एक आदर्श परिवार को चित्रत करती है। जिसमें परिवार के सभी सदस्य हर काम में समान हैं बच्चों को कविताएँ अपनी सी और आसपास से जुड़ी लगेंगी।

(65) हक्का बक्का

लेखक : प्रयाग शुक्ल

चित्रांकन : तापोशी घोशाल

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 12/-

'धूम धड़क्का धूम धड़क्का, चौका छक्का, धूम धड़क्का' ऐसे ही ध्वन्यात्मक शब्दों से भरपूर इस संग्रह की कविताएँ बच्चों के लिए खेल की तरह हैं। कविताओं के विषय तो बच्चों के लिए रोचक हैं साथ ही कविताओं में स्फूर्ति और ताज़गी भी है।

(66) धम्मक धम्मक

लेखक : प्रयाग शुक्ल

चित्रांकन : चंचल

प्रकाशक : राजकमल

मूल्य : 16/-

बच्चों को सहज आकर्षित करते जानवर जैसे - हाथी, बिल्ली, भालू, मोर, कबूतर, कोयल, बत्तख, ऊँट सभी को लेखक ने अपने लेखन का विषय बनाया है। बच्चे अपने प्रिय जानवरों पर रचित बाल कविताओं को गुनगुनाने में आनंदित होंगे।

(67) चिड़िया रानी

लेखक : निरंकार देव सेवक

चित्रांकन : प्रमोद गणपत्ये

प्रकाशक : ईशान प्रकाशन

मूल्य : 26/-

चिड़यों की तरह ही बाल की उड़ान भी काफ़ी तेज़ होती है। पल-पल बदलती बाल मन की चाह को उक्त बाल कविताओं का संग्रह बखूबी बयाँ करता है। बाल कवि ने बड़े ही सरल शब्दों में उनके मन में झांकने का प्रयास किया है।

(68) बतूता का जूता

लेखक : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन

मूल्य : 20/-

यह पुस्तक बाल कविताओं का अनूठा संग्रह है। सरल शब्दों में रचित बाल कविताएँ लयबद्ध हैं। लेखक ने बच्चों के साथ उठते-बैठते खेल-खेल में ही इन बाल कविताओं को गढ़ा है। इन्हें गाने में बच्चों को बहुत मज़ा आएगा।

(69) चुहिया लाई मटर का दाना

लेखक : शांता मोहन

चित्रांकन : नीना बहल

प्रकाशक : विकास प्रकाशन

मूल्य : 12/-

परंपरागत कविताओं का बड़ा ही रोचक संग्रह है। इसकी भाषा सरल व मज़ेदार है।

(70) हमको फिर छुट्टी

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 12/-

यह बच्चों द्वारा गढ़ी गईं कविताओं का संकलन है। इनका चित्रांकन भी स्वयं बच्चों ने ही किया है। बच्चों की स्वाभावित अभिव्यक्ति का मंच है यह पुस्तक।

जानकारीपरक पुस्तकें

(71) पेड़

लेखक : मार्टी

चित्रांकन : प्रणव चक्रवर्ती

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 50/-

पेड़ों की हमारे जीवन में उपयोगिता पर इस पुस्तक में प्रकाश डाला गया है। चित्र बड़े और रंगबिरंगे हैं। बहुत कम शब्दों का उपयोग करके ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई है।

(72) पूंछ

लेखक : हाइड्रोसे आलुवा

चित्रांकन : अतनु रॉय

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 13/-

पूंछ वाले जीव जंतुओं के विषय में पूंछ की उपयोगिता दिखाती हुई एक जानकारीपरक रोचक पुस्तक है। इस पुस्तक का चित्रांकन जीवंत है और चित्रों में हल्के रंगों का प्रयोग है। बच्चों की खोजी प्रवृत्ति को यह पुस्तक बढ़ावा देगी।

(73) पत्तों का चिड़ियाघर

लेखक : अरविंद गुप्ता

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : विज्ञान प्रसार

मूल्य : 20/-

यह पुस्तक पत्तों के माध्यम से बच्चों को आकारों और आकृतियों के प्रति जागरुक और संवेदनशील बनाने का प्रयास करती है और बच्चों को नए-नए आकार और कलाकृतियाँ स्वयं गढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

(74) इनकी दुनिया

लेखक : रमेश बक्शी

चित्रांकन : अरोबिंदो कुंडू

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 10/-

बच्चे सामान्यत: जानवरों के बारे में जानना चाहते हैं। इसमें विभिन्न जंगली जानवरों के चित्र हैं और उनके बारे में सरल शब्दों में जानकारी दी गई है। इसके चित्र कटवर्क शैली में हैं। पुस्तक मनोरंजक है।

(75) खोजो पहचानों

लेखक : जगदीश जोशी एवं अरविंद मल्होत्रा

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एन.बी.टी.

मूल्य : 7/-

रेखाचित्रों में छिपे जंगली जीव-जंतुओं आदि को खोज निकालने के लिए दिमागी कसरत कराती छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक पुस्तक है।

(76) वर्षा कहाँ है?

लेखक : जे. भरतदास

चित्रांकन : चंचल

प्रकाशक : राजकमल

मूल्य : 16/-

दुनिया के सभी जीवों के लिए पानी कितना जरूरी है। इसका ताना-बाना बच्चे के आस-पास की दुनिया के साथ जोड़ते हुए अत्यंत रोचक ढंग से बुना गया है।

(77) पेड़ हो सकता है

लेखक : जूडी नायर

चित्रांकन : अन्ना वोजतेक

प्रकाशक : स्कॉलास्टिक

मूल्य : ------

एक पेड़ क्या-क्या हो सकता है और किस-किस काम आ सकता है, इसको बताती यह पुस्तक सुंदर चित्रकारी और कम शब्दों में अत्यंत रोचक है। पेड़ के बारे में बच्चों से संवाद स्थापित हो सकता है।

गतिविधि पुस्तकें

(78) अंगूठे से चित्र

लेखक : अरविन्द गुप्ता

चित्रांकन : अरविन्द गुप्ता

प्रकाशक : बी.जी.वी.एस.

मूल्य : 10/-

अंगूठे को स्टैम्प पैड पर रगड़कर या रंग लगाकर उससे कागज़ पर ठप्पे बनाएँ। इन अंगूठे के ठप्पों से अनेकों विचित्र वस्तुएँ जानवर, फल, फूल, पेड़, कीड़े-मकौड़े न जाने क्या-क्या बनाना संभव है। इस पुस्तक से प्रेरित होकर बच्चे अपनी कल्पना से स्वयं अनेक नए-नए चित्र बनाएँगे।

(79) माचिस की तीलियों के रोचक खेल

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 6/-

इस पुस्तक में माचिस की तीलियों के साथ की जाने वाली कई तरह की गतिविधियाँ दी गई हैं। बच्चों को इन गतिविधियों में मज़ा आएगा, उनमें एक कौतूहल पैदा होगा और वे तीलियों से नए-नए खेल खेलने का प्रयास करेंगे।

(80) वर्ग पहेली

लेखक : अरविंद गुप्ता

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 12/-

इस पुस्तक में वर्ग पहेली से परिचय और चौबीस वर्ग पहेलियाँ है। बच्चों को अलग-अलग तरह से सोचने, जानकारियाँ बटोरने और कोशिश करने का अवसर मिलेगा। पुस्तक मज़ेदार है।

(81) कलगी वाली टोपी

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 1 रुपया

बच्चे कागज को मोड़ या फाड़कर अलग-अलग चीज़ें बनाते हैं। इस पुस्तक से वे कागज़ से बनी कलगी वाली टोपी बनाना सीखेंगे। यह टोपी बच्चों के लिए नई होगी।

(82) माथा-पच्ची

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : शिवेन्द्र पांडिया

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 6/-

बच्चों को मज़ा आता है नई चीज़ों के बारे में जानने में और सवालों के जवाब खोजने में। पहेलियाँ हल करना, सवाल पूछना और उनके उत्तर तलाशना उनकी खोजी प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं। इस पुस्तक में सभी बच्चों को मज़ा आएगा।

(83) भूलभुलैया

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : राजेश उत्साही

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 5/-

इस पुस्तक में रास्ता खोजने वाली पहेलियाँ हैं। इस तरह की पहेलियों में सभी को मज़ा आता है छोटे हों या बड़े। इनमें कुछ पहेलियाँ बेहद सरल हैं। तो कुछ कठिन भी हैं। यह बच्चों के लिए मज़ेदार होगी।

(84) दर्पण से बूझो

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 9/-

दर्पण महज़ चेहरा देखने की ही चीज़ नहीं है इससे अनेक रोचक खेल भी खेले जा सकते हैं इसी प्रकार के अनेक खेल व दिमागी पहेलियाँ इस पुस्तक में दी गईं हैं। दर्पण के ये रोचक खेल बच्चों को खूब पसंद आएँगे।

(85) मनगणित

लेखक : गोपीचंद श्रीनागर

चित्रांकन : दुर्गाबाई

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 8/-

गणित के सवालों को साहित्य की मदद से आसानी से सीखने का प्रयाास किया जा सकता है। गणित और साहित्य का मिला-जुला प्रयोग इस पुस्तिका में किया गया है। पुस्तक पढ़कर गणित भी बच्चों के लिए रोचक विषय हो जाएगा।

(86) नज़र का फेर

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 9/-

'दृष्टि भ्रम यानी दिखे कुछ हो कुछ और' यह किताब ऐसी ही जादूई आकृतियों का खज़ाना है। इसके चित्रों को देखने और सुलझाने में तो मज़ा है ही। इसका मज़ा लेते हुए कई बार अपनी ही आँखों पर यकीन नहीं होगा। समझने के लिए स्केल और चाँदा जरूर साथ रखें।

(87) गमला

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 2/-

बच्चों को कागज़ के खेल अच्छे लगते हैं। पुस्तक में कागज़ से गमला बनाना सिखाया गया है। इसे पढ़कर व गमला बनाकर बच्चे अन्य चीजें बनाने का प्रयास करेंगे।

(88) फूल पत्ती

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : -----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 2/-

कागज़ को मोड़कर फूल पत्ती बनाना सिखया गया है। पुस्तक का आकार बहुत छोटा है और बहुत ही कम पृष्ठों में चित्रों के साथ फूल बनाना सिखाया गया है। पढ़कर करने में बच्चों को अच्छा लगेगा।

(89) हवाई जहाज

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 2/-

पुस्तक में हवाई जहाज बनाने की प्रक्रिया बताई गई है। बहुत की स्पष्ट शब्दों में चित्रों के साथ हवाई जहाज बनाने का एक-एक सोपान समझाया गया है। बच्चे इसे पढ़कर हवाई जहाज बनायेंगे और उन्हें उड़ाकर मज़ा लेंगे।

(90) मुकुट

लेखक : चकमक से

चित्रांकन : ----

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 3/-

कागज से मुकुट बनाने की प्रक्रिया इस पुस्तक में दी गई है। पढ़कर गतिविधि करना बच्चों के लिए रोचक होगा।

(91) मैंनें एक लाइन बनाई

लेखक : लियोनार्ड केसलर

चित्रांकन : लियोनार्ड केसलर

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 30/-

यह एक क्रियात्मक किताब है जिसमें एक बच्चा लाइन के सहारे विभिन्न आकृतियाँ बनाता है। इसमें सही एवं गलत का कोई प्रश्न नहीं होता वह अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए विभिन्न आकृतियाँ बनाता है। यह किताब छोटे-छोटे बच्चों को मौका उपलब्ध कराती है अपने भावों को आकृतियों में बदलने के लिए।

(92) कुछ-कुछ बनाना

लेखक : ऍन सायर वाइज़मैन

चित्रांकन : ऍन सायर वाइज़मैन

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 100/-

पुस्तक कुछ-कुछ बनाना में सरल निर्देश, स्पष्ट रेखा-चित्र और सुन्दर चित्रांकन द्वारा बहुत-कुछ बनाना सिखाया गया है। पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ बच्चों को करके सीखने और रोज़मर्रा की चीज़ों का उपयोग नए-नए तरीके से करने के लिए प्रेरित करेंगी यह पुस्तक शिक्षकों के लिए उपयोगी होगी।

(93) मेरी किताब

लेखक : अभिज्ञान, शिव कुमार गाँधी

चित्रांकन : अभिज्ञान

प्रकाशक : रूम टू रीड

मूल्य : 30/-

बच्चे स्वाभावित रूप से ही चित्रकार होते हैं पुस्तक में पतंग, अपने दोस्त, लट्टू आदि के चित्र दिखाये हैं। साथ ही इन सबके बारे में सरल शब्दों में कुछ न कुछ है। बच्चों की स्वाभाविक क्रियाएँ इस पुस्तक में दिखती है, बच्चे इससे जुड़ पायेंगे और स्वयं चित्र बनाने को प्रेरित होंगे।

पहेली पुस्तकें

(94) बूझो-बूझो

लेखक : रामवचन सिंह आनंद

चित्रांकन : सुभाष व्याम

प्रकाशक : एकलव्य

मूल्य : 6/-

पहेलियाँ तो तरह-तरह की होती हैं कुछ सीधी सरल कुछ चक्कर में डालने वाली। उत्तर उनमें दिया तो रहता ही है। न ढूँढ़ पाओं तो आखिरी पन्ने को देखो। बूझो मज़ा लो। यह पुस्तक दिलचस्प है।